

बिगड़ी बन जायेगी SSSSSS मर्क

बिगड़ी बन जायेगी, भक्तों की तेरे आने से

न झुकें नजरें SSSSSS मर्क

न झुकें नजरें, कभी मैया इस जमाने से

बिगड़ी बन जायेगी SSSSSS मर्क

किनती है तुमसे मैया, सबको ये दिखा दो

बेटे पे उठें नजरें, तुम उनको झुका दो SSSS मर्क SSS

आँसू बह जायेंगे SSSSSS मर्क SSS

आँसू बह जायेंगे, चरणों के दरस पाने से

न झुकें नजरें -----

पाकर के दया तेरी, तूफां से बच गया
 लहरें भी उठीं ऊँची, क्या खेल रच गया ^{ss} मर्क ^{ss}
 कौन पूहेगा तुझे, ^{ss} मर्क ^{ss}
 कौन पूहेगा तुझे, तेरे चले जाने से

न झुकें नजरें-----

रो-रो के-पुकारुं तुझे, चरणों से लगाना
 फिर चेतना "श्रीबाबाश्री" की, हर पल में जगाना ^{ss} मर्क ^{ss}
 पार कर दो ^{ssss} मर्क ^{ss}
 पार कर दो मेरी नैया इसी बहाने से.

न झुकें नजरें-----